

प्रेषक:-

विजेन्द्र पाल,
सतीचौल
इत्तराचल प्रासन।

रेखा में:-

विज्ञ नियंत्रक,
खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति,
इत्तराचल, दैहराहून।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति अनुभाग

देहरादून : दिनांक: जनवरी २१, 2003

विषय: लेखाशीर्षक ५५०३ के अन्तर्गत जिल्लीय स्तरीय (जिल्लीय वर्ष 2002-2003)

महोदय,

उपरोक्त विषयक शासनादेश संख्या ३१६/खाद्य/बजट/2002 दिनांक १० दिसम्बर, 2002 के द्वारा मेरे भूमि यह पालने पाया जिरेश द्वारा है यि श्री राज्यपाल गढ़ोदय सार्वजनिक वितरण प्रशास्त्री हेतु खाद्यान्न व्याप, ईण्डलिंग/वरिनहन/गोदाम किराया/ विशुल देयक आदि (विविध व्यय) तथा भण्डारण शुल्क के भुगतान ऐसे जिन विवरणानुसार युल रु० ७,०२,००,०००/- (रूपये सात करोड़ दो लाख मात्र) की अनुसारि को आहरित कर व्यय किये जाने को सहृष्टि ग्रदान करते हैः-

| ग्रन्थांक | गद वा नाम | गढ़पाल संभाग हेतु स्वीकृत धनराशि (रूपये में) | कुमार्गे संभाग हेतु स्वीकृत धनराशि (रूपये में) | युल स्तरीय धनराशि (रूपये में) |
|-----------|--|--|--|-------------------------------|
| १ | सार्वजनिक वितरण प्रशास्त्री हेतु खाद्यान्न व्यय | ३,००,००,००० | ३,००,००,००० | ६,००,००,००० |
| २ | ईण्डलिंग/वरिनहन/गोदाम किराया/विशुल देयक/गढ़ोदय/वाट माप अखादा भण्डारण/दिव्येश्वरी आदि | - | ५०,००,००० | ५०,००,००० |
| ३ | भण्डारण शुल्क | - | ५२,००,००० | ५२,००,००० |
| | दोग | ३,००,००,००० | ४,०२,००,००० | ७,०२,००,००० |

(रूपये सात करोड़ दो लाख मात्र) :

१. धनराशि का आहरण द्वालालिक धाराविक शाखावकाना के आधार पर किया जाये और शेष धनराशि इसके विपरीत प्रतिपूर्ति के उपरान्त ही अवगुद्धा को जायेगा।
२. इस धनराशि से साध्यनिधत लेखे व्यापार सेवा (द 'डिग एकाउण्ट) को रूप में रखे जायेंगे तथा प्रतिमाह दू त्रिता वैसेन्टर तथा जिल्लीय व्यव विभाग को उपरान्त एवं लाभ सेवा बनाया जायेगा।

गोपनीय

2. इस धनराशि से सम्बन्धित लेखे व्यापार लेखा (ट्रिडिंग एकाडण्ट) के रूप में रखे जायेंगे, तथा, प्रतिमाह ट्रायल वैलेन्स तथा वित्तीय वर्ष की समाप्ति के उपरान्त हानि-सामग्री लेखा बनाया जायेगा।
3. इस धनराशि के आहरण की अनुमति लेखाशोर्पक-4408 के वर्तमान वर्ष से सम्बन्धित जमाधनराशि के सीमा के अन्तर्गत ही प्रदान की जायेगी।
4. उक्त धनराशि से पहले सबसे पुराने दावों का भुगतान नियमानुसार समस्त औपचारिकतावें पूर्ण करते हुए किया जायेगा।
5. स्वीकृत धनराशि वित्तीय वर्ष 2002-2003 के अनुदान संख्या-25 के लेखा शीर्षक 4408-खाद्य भण्डारण तथा भण्डागारण पर पूँजीगत परिव्यय-00-आयोजनेतर-01-खाद्य-101-खरोद और पूर्ति-03-अन्न पूर्ति योजना-31-सामग्री और सम्पूर्ति के नामे डाला जायेगा।
6. यह आदेश वित्त विभाग के अंगशाखा संख्या- 1965/विविधनु-3/2002, दिनांक 05 दिसम्बर, 2002 में प्राप्त उन्नी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(विजेन्द्र पाल)

सचिव

संख्या:- २५६०४/खाद्य/बजट/2002, उद्दिनीक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेपितः-

1. महालेखान्कार, उत्तरांचल, ओबराय भवन, माजग, देहरादून।
2. आयुक्त, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, उत्तरांचल, देहरादून।
3. आयुक्त, गढ़वाल/कुमार्य, मण्डल, देहरादून/नीनीताल।
4. समस्त जिलाधिकारी उत्तरांचल ।
5. निदेशक, संस्थागत वित्त निदेशालय, उत्तरांचल देहरादून।
6. सम्भागीय खाद्य नियंत्रक, गढ़वाल/कुमाऊ सम्भाग।
7. अपर निबन्धक, सहकारी समितियाँ उत्तरांचल।
8. वरिष्ठ कौषाभिकारी, देहरादून/उथमसिंहनगर।
9. सम्भागीय लेखाधिकारी, खाद्य गढ़वाल/कुमाऊ सम्भाग, देहरादून/हल्द्वानी।
10. वित्त अनुभाग-3 उत्तरांचल शासन।
11. खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति अनुभाग, उत्तरांचल शासन।
12. गार्ड फाईल।

आज से
१०/१०

(हमलता ढौड़ियाल)
अपर सचिव